श्रम विभाग

श्रादेश

दिनांक 14 सितम्बर, 1987

सं. स्रो वि. एफ.डी:/99-87/36680--वृंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० स्नाईशर गुड्यं लि०, प्लाट नं० 8, सैक्टर 4, बल्लबगढ़, के श्रमिक श्री जनार्धन प्रसाद, मार्फत सैकेटरी, स्नाईशर रिसर्च सैण्टर इम्पलाईज यूनियम, प्लाट नं० 8, सैक्टर 4, बल्लबगढ़, तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ; इसलिये, अब, श्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ध) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त ऋधिनियम की धारा 7 क के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रयवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्याय-

क्या श्री जनार्धन प्रसाद की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० भ्रो० वि०/एफ०डी०/55-87/36687.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० वाटा इण्डिया लि०, एन० माई० टी० फरीदाबाद, के श्रमिक श्री ताराचन्द विज्ञष्ठ, पुत्र श्री गया लाल, गांव व डा० सीही, तहसील बल्लबगढ़, जिला फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के वाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:--

श्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद की न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, सब, श्रौद्योगिक विवाद श्रीद्यानियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रीधिनियम की धारा 7क के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे बिनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/ मामले हैं श्रथवा विवाद से सुसंगत या संबन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेत निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री ताराचन्द विशष्ठ की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० स्रो॰ वि॰/एफ ॰डी॰/55-87/36694.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ बाटा इण्डिया लि॰, एन॰ आई॰ टी॰ फरीदाबाद, के श्रमिक श्री कर्ण सिंह, पुन्न श्री नायू, मकान नं० 22, वार्ड नं० 9, कुम्हार वाड़ा, बल्लबगढ़, जिला फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिन्तयों का श्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित भौद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या श्री कर्ण सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?
संख्या ग्रो॰ वि॰/एफ॰ डी॰/55-87/36701.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ वाटा इण्डिया लि॰,
एन॰ ग्राई॰ टी॰ फरीदावाद, के श्रमिक श्री राम किशोर, पुत्र श्री गयासी राम, मुहल्ला कानूनगों, पलवल, जिला फरीदावाद तथा
प्रवन्यकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीदोगिक विवाद है;

ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिष्ठितियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिष्ठित्यम की धारा 7क के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रीध-करण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रिमकों के बीच या तो विवाद ग्रस्त मामला/मामले है श्रथवा विवाद से मुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं ज्यायनिर्णय एवं पचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री राम किशोर की सेवामों समापन न्यायोचित तथा ठीव है? यदि नहीं, तो वह विस राहत कर हकदार है?